V.V.I.

10 feature :-> Paleolithic काल के मनुष्य का भारतीय

special feature उपमहाद्वीप के संदर्भ में उपलब्ध साक्ष्य :->

SITES ————> AREA

A -> सोहन घाटी क्षेत्र -> PAK

B -> लिद्दर क्षेत्र ——> कश्मीर -> INDIA.

C -> व्यास-बाणगंगा क्षेत्र -> पंजाब -> India.

D -> लूनी-जोजरी क्षेत्र -> राजस्थान -> India.

E -> साबरमती माही क्षेत्र -> गुजरात -> India.

F -> नर्मदा नदी घाटी क्षेत्र -> M.P. -> India

G -> चम्बल-बेतवा क्षेत्र -> M.P. -> India.

H -> सतना-रीवा क्षेत्र -> M.P. -> India.

I -> बेलन घाटी क्षेत्र -> U.P. -> India

J -> द० बिहार मालदेव -> सिंहभूम-हजारीबाग (मध्यवर्ती) India.

K -> बाकुंडा - पुरुलिया क्षेत्र -> Bengal.

Fazal ahmad

Scanned with DocScan

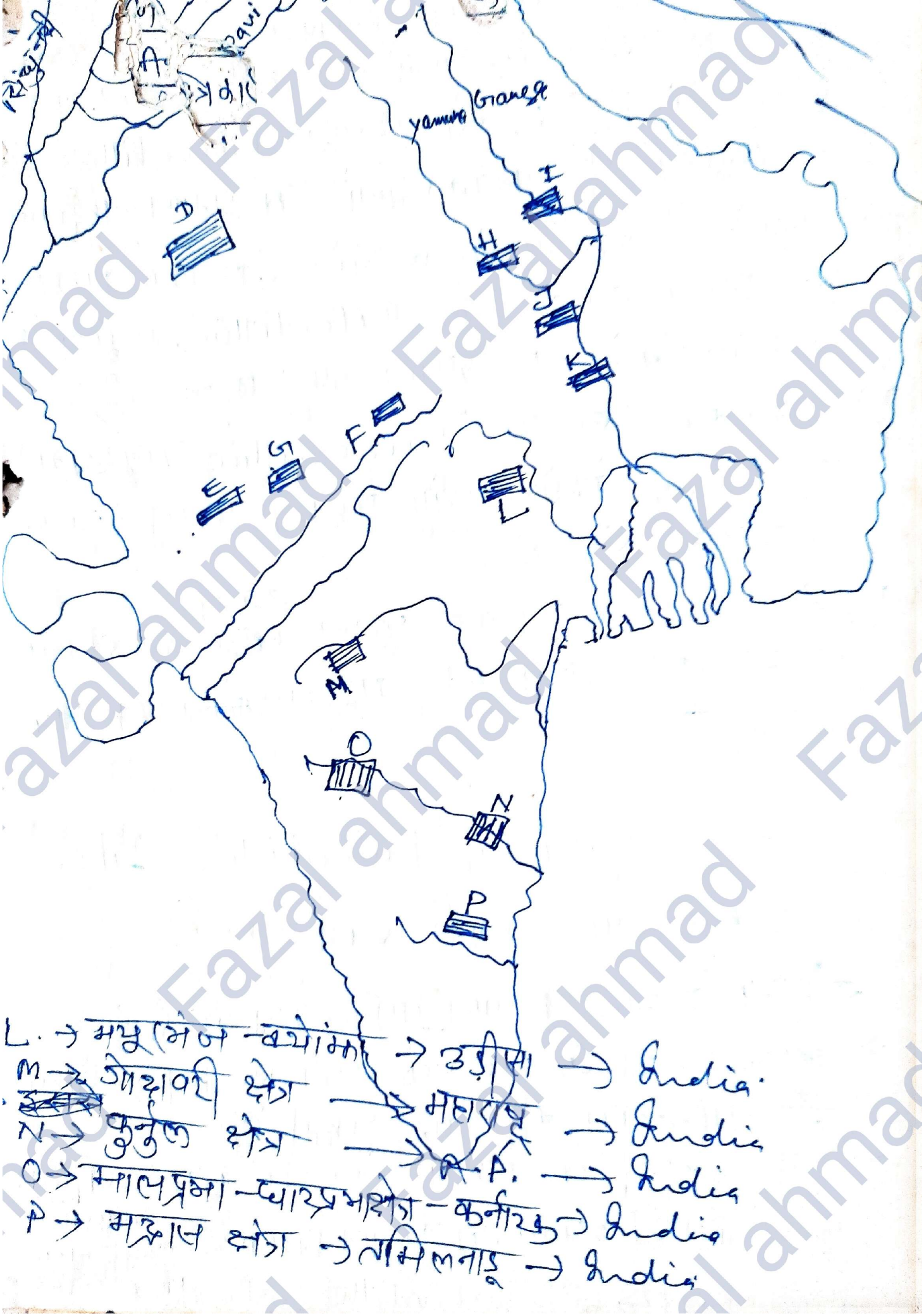

L. → मयूरभंज-क्योंझर → उड़ीसा → India.
M → गोदावरी क्षेत्र → महाराष्ट्र → India
N → कुर्नूल क्षेत्र → A.P. → India
O → मालप्रभा-घाटप्रभा क्षेत्र - कर्नाटक → India
P → मद्रास क्षेत्र → तमिलनाडु → India

Fazal ahmad

Scanned with DocScan

> मानचित्र पर इससे निष्कर्ष यह निकलता है कि
(i) भारतीय उपमहाद्वीप में Paleolithic मानव आज के पाकिस्तान तथा आज के भारतीय क्षेत्र में रह रहा था।
(ii) भारतीय उपमहाद्वीप को जो ... अध्ययन की दृष्टि से सात भागों में विभाजित किया गया है उसमें 5 B से केवल Paleolithic काल के मनुष्य की गतिविधियों का प्रमाण नहीं मिला है।
(iii) आज के भारत के केरल प्रांत से तथा N.E. के तमाम राज्यों से Paleolithic मनुष्य की गतिविधियों का प्रमाण नहीं मिला है।
(iv) अधिकतम साक्ष्य (Paleolithic मनुष्य का) पुराने नदी बेसिन और पहाड़ी-पठारी क्षेत्र से भी मिल रहा है।
(v) इस दौर का सबसे पुराना साक्ष्य (A) सोहन-घाटी क्षेत्र तथा (B) मद्रास क्षेत्र से प्राप्त हुआ है।

⇒ Most Important Paleolithic Sites of Indian Sub continent ->

(1) सोहन -> यह वर्तमान पाकिस्तान में है।
> सिंधु नदी के यह एक सहायक नदी है जो पूरब से पश्चिम की ओर बहती है
-> इस नदी के बहाव क्षेत्र में 5500 मी० तक (चौड़ाई) पुराने मिट्टी जमाव का प्रमाण मिला है इसी जमाव से काफी अधिक Paleolithic tools की प्राप्ति होती है

Fazal ahmad
Scanned with DocScan

इस जगह पर yel और Cambridge university की संयुक्त टीम ने डी. टेरा और पैटरसन के नेतृत्व में गए पुरातात्विक सर्वेक्षण 1935 में किया। इस टीम ने ही सोहन क्षेत्र की पुरातात्विक महत्ता को सामने लाया।

⇒ इस क्षेत्र से सबसे अधिक lower-Paleolithic का साक्ष्य प्राप्त हुआ है अतः सोहन निम्न पुरापाषाण के लिए प्रसिद्ध है

→ यहाँ से प्राप्त Hand axe paleolithic में भी सबसे पुराना Hand axe है

→ यहाँ से प्राप्त lower Paleolithic tools में भी तकनीकी प्रगति झलकती है

→ Pre Sohan tools → Early sohan tool → Matured sohan tool → late Sohan tool → Evolved sohan tools.

2. अतिरमपक्कम → यह क्षेत्र वर्तमान में तामिलनाडु में है।

→ यह क्षेत्र मद्रास के बिल्कुल निकट है।

→ इसकी पहचान 1864 ई० में की गई है जब ओल्ड हेम किंग ने इस जगह से Paleolithic tools की प्राप्ति की।

→ यह भी lower Paleolithic का प्रमाण देता है

→ इसकी विशेषता सोहन की विशेषता से मिलती है यहाँ भी lower Paleolithic tools में तकनीकि प्रगति का प्रमाण मिलता है इस तकनीकी प्रगति को कहते हैं

→ PRE madras → Early madras tool → Matured madras tools → late Madras tools → Evolved madras tools

Scanned with DocScan

3) पल्लवरम ⇒ तामिलनाडु → मद्रास के निकट क्षेत्र
⇒ यह भी Paleolithic Sites है।
⇒ आधुनिक दौर में सबसे पहले Paleolithic उपकरण सबसे पहले यही 1863 में मिले
⇒ यह पहला खोजा गया Paleolithic site है जिसे खोज निकाला Robert bruse foot ने।

(4) भीमबेतका → मध्य प्रदेश → भारत. यह भोपाल से 40 km दूर तथा रायसेन जिला में है।
→ यह जगह Paleolithic दौर के लिए भी तथा Mesolithic में यह महत्वपूर्ण है
⇒ Paleolithic में इसकी प्रसिद्धि का कारण यहाँ की गुफाएँ प्रसिद्ध है और यहाँ की गुफा में Paleolithic मनुष्य रहता है इससे प्रमाणित है कि Paleolithic दौर का मनुष्य गुफाओं में रहता था।
⇒ यहाँ की पाँच गुफाओं में Paleolithic मनुष्य की बनाई गए उपकरण और मनुष्य द्वारा शिकार किए गए जानवरों की हड्डियाँ मिली है अतः पूरी तौर पर प्रमाणित है कि मनुष्य गुफा में रहता था।
⇒ यहीं के पाँच गुफाओं से गुफा चित्रकारी का प्रमाण मिला है शिकार करते मनुष्य का चित्र, मछली पकड़ते हुए मनुष्य का चित्र, और यह सब Burine (तक्षणी) के जरिए दीवार पर उकेरा गया है अतः यह

Cave Painting का सबसे पुराना साक्ष्य यह देता है

गुफा III-F-23, III-F-24, III-F-28, I-F-19, III-F-19 ⟹ गुफाएँ हैं।

इन गुफाओं की चित्रकारी का प्रमाण (1952 - वी.एस. वाकणकर) द्वारा खोजा गया प्रागैतिहासिक गुफा चित्रकारी का सबसे पुराना साक्ष्य है

कब से मनुष्य चित्रकारी कर रहा है → Paleolithic दौर से

कितने समय से → 30,000 ई० पू० से (Upper Paleolithic)

मिला अन्य Paleolithic site से cave-painting का प्रमाण प्राप्त हुआ है या अन्य से भी ?

Ans → हाँ अन्य से भी प्राप्त हुआ है इनमें →

(i) मिर्जापुर पहाड़ी → U.P.
(ii) पटणे (जलगाँव पहाड़ी) Maharashtra

इन दोनों Paleolithic site से भी → भीमबेटका की तरह हमे Cave painting का साक्ष्य प्राप्त हुआ है

⇒ यह Upper paleolithic दौर का painting है इसका काल 20,000 ई०पू० है

हथनौरा क्षेत्र → मध्य प्रदेश → India → यह होशंगाबाद जिला में नर्मदा नदी घाटी क्षेत्र का स्थल है यह 1987 में खोजा गया हाल का बेहद चर्चित स्थल है

> यह इन कारणों से प्रसिद्ध है

(1) यहाँ से हमें हाथी के सबसे पुराने जीवाश्म प्राप्त हुए हैं जो मिला में भारत। [illegible] इतने पुराने हाथी के जीवाश्म India और कहीं से नहीं मिला। इस हाथी का नामकरण → State go[illegible]n Ganesh
एलेरफस [redacted] हिसु ड्रिकस है। यह सबसे पुराना

हथनौरा की दूसरी प्रसिद्धि का कारण है कि यहाँ से Paleolithic काल के मनुष्य की भग्न हो चुकी खोपड़ी का प्रमाण मिला। आज तक भारतीय उपमहाद्वीप से Paleolithic मनुष्य का कोई साक्ष्य नहीं मिला था। हथनौरा से एक खोपड़ी मिली है अतः यह अपवाद है। यद्यपि खोपड़ी इस ढंग से नष्ट हो चुकी है कि इसे बहुत अधिक ढंग से यह पता नहीं लगाया जा सकता है कि यह किस प्रजाति का मनुष्य है तथा उसकी औसत ऊंचाई क्या थी? अतः यह संभावना व्यक्त की गई है कि यह Homo Erectus वर्ग का प्राणी होगा।

(2) मैहर → मध्य प्रदेश → सतना जिला → यहाँ भी Paleolithic की अधिक प्रमाण प्राप्त हुआ है, यहाँ से quartzite tools calcidony तथा Sand stone के उपकरण

Scanned with DocScan

प्राप्त हुआ है परंतु यहाँ से प्राप्त आधे से अधिक उपकरण calcidony के हैं और आधे से अधिक उपकरण cleaver हैं। अतः ऐसा प्रतीत होता है कि यहाँ के लोग cleaver उपकरण बनाने में महारत हासिल किए थे।

2. बेलन घाटी क्षेत्र → यह उत्तर प्रदेश मे है → यह वाराणसी से इलाहाबाद तक फैला हुआ है इसमे वाराणसी, मिर्जापुर और इलाहाबाद ये तीनो District आते है इस पहाड़ी क्षेत्र से दो नदी निकलती है जिनके नाम बेलन नदी और टोंस नदी। इन दो नदियों के बीच वाले क्षेत्र मे प्रागैतिहासिक दौर के मनुष्य रहते रहे है। इस क्षेत्र मे Paleolithic दौर का भी मनुष्य, Mesolithic तथा Neolithic तीनो दौर का मनुष्य रहा है। यहाँ पचास से अधिक site है जो पूरे prehistoric phase से संबंधित है इसमे केवल Paleolithic से संबंधित 44 क्षेत्र हैं इसी मे एक प्रसिद्ध site का नाम है लोहदानाला site → यहाँ से एक विशिष्ट उपकरण प्राप्त हुआ है इस उपकरण को कुछ लोग केवल उपकरण मानते हैं और इसे हारपुन (बेधक) कहते हैं और कुछ विद्वान इसे उपकरण न मानकर मूर्ति मानते हैं। यदि यह मूर्ति रूप मे पूर्ण स्वीकृत हो जाए तो भारतीय उपमहाद्वीप मे मूर्ति निर्माण कला upper paleolithic से माना जाएगा अभी इतिहास मे मूर्ति निर्माण कला calcolithic से है।